

one day the leader (Name ?) who does not belong to any zone closed the door of the church and was heavily fined. The pastors especially of the North zone write always to the Government of ORISSA many things against president and the Secretary of the G. E. L. Church. Some of the lay men, who are leaders of Ghantkhand Baidy are also leaders of the North zone. To the Government of ORISSA they have also written requesting that the name of the zone should be registered. The Government (officers) asked them to come with the constitution of the church (G. E. L. C). But they have failed. At present they are of course ~~missing~~ collecting good amount of money to run the North zone.

This is the time when Bachmandalis and Saddis are going on - the panches and pastors have become powerful in the North zone. Boys and girls who are preparing themselves to be married do not get recommendations for marriage - as long as they do not promise to be in the North zone. In Orissa about Bage & Surm and myself, the North zone pastors have already proclaimed that these three foreign returned gentle-men belong to the North zone - these things may do just to glorify their shame. I wish you were here to help me to start a new work among these people.

The church Council has not given me final words regarding my work in the church. I have refused ~~to take the offer of Head~~ ~~the offer of Head~~ ~~the offer of Head~~ ~~the offer of Head~~ the offer of Head-
teacher ship of the Bracharach Training school in Govindpur. Let us see what comes next. I'll be in Ranchi next week for a day or two.

I am suffering from cough and cold because of the change of weather and climate. On the 15th of this month Pandit Nethu is coming to Rombela.
May God bless you in your studies. Please do not forget us in your prayers.
With love
Martin

BY AIR MAIL

बवाके पत्र
AEROGRAMME
NO ENCLOSURES
ALLOWED



MR NIRMAL MINZ
37. SNELL Hall
UNIVERSITY OF CHICAGO
CHICAGO 37, ILL.
U.S.A.

Cons - 68

Sender's name and address:-

MARTIN TETE
Maha. d. h.
P.O. DT. SUNDARGARH
ORISSA

First fold here
MHAHESDIH P.O. DT. SUNDARGARH
ORISSA - Dec 11, 57.

Dear Brother
Let me wish you in advance - "Merry
CHRISTMAS AND HAPPY NEW YEAR!" I have complete
deal my journey home on the 6th of Dec, 57.
This letter of mine will carry you only
news of ORISSA symposium. In ORISSA both the parties
are active. Rev. J. Khadka still is president
of the NORTH ZONE IN ORISSA. Meetings and
many sittings are still going on. Khabal
and Binod is Raigangpur one two symposium
Presidents. One day they were about to fight
in front of the New Cinema Hall. Many
pro-organizers are going against one another.
The simple - oration - in educational
Can tell you beautiful stories about what
and how in Orissa. There would be
have been introduced. In Rolo like

होगे, मुलावे कैसा लगता होगा यही सब सोच के
 नहीं लिखे वे खैर सब सब कोई बात नहीं यहां का
 क्या हाल लिखेंगे हम लोग इधर सब कितारे रहते हैं
 जिस से मिशन का हाल नहीं जानते हैं, बाबा शिनिबर
 को आते हैं और हाता तरफ जाते हैं तो छोड़ा बहुत
 जान लेते हैं धर्मदास टोपों यहां हैं वे भी बहुत
 दिन से नहीं आये हैं उनको भी यहां वहां घूमना
 पड़ता है कईसक बार तो आये परन्तु आप की चिप्टी
 का चिक्क तो कभी नहीं किये मन्त्रु क्योंकि जब
 कभी आते हैं आप सभी के बारे में मुझ ही पूछते हैं
 मैंने आप का डिग्री वाली फोटो भी उन को दिखाया
 और P.H.D. करेगे कइ कर बतलाया तो बहुत खुश
 भी हुए क्योंकि Mr. Bage P.H.D का पदवी लेकर
 आये हैं इसी से उस का भी कहना है कि आप कोई
 सरत से P.H.D. करे यहां आकर लेकर आये हैं
 फंसना है क्योंकि Mr. T. किसी की बात नहीं सुनते
 हैं तो मानते ही हैं बिना हमों के बारे में आप गत चिन्तित
 होईयेगा आप सभी अपने बारे में सोचिये कि कोई सरत से
 आप को आदेश बनना है बिना P.H.D के लौटियेगा
 तो भुराई लौगा दिमाग बड़े जायगा इस लिये भुरा
 कहना है आप बिना P.H.D के मत लौटिये और लौटा
 भी जब आप P.H.D करते हैं तो बन्दा बस्त ठीक हान
 पर M.A. करने Amritsar जायगा में आशा करती
 हैं इफ्तर पिता आप लोगों का रास्ता साफ कर ही
 देगा। प्रब में क्या लिखें प्यार के साथ पत्रान्त करती
 हैं इफ्तर पिता की आशा है आप को बहुतायत से
 मिले। आप को मां A. Khess. 13.11.57.

पिये विले, आप को मेरी ओर से प्यार और धीरुसहय मिले। मैं मन्दी हूं और आपकी चिप्टी
 नाशा भुली है। हां आपने लिखा था कि मुझे फू मूल जा रही हो पर यह नहीं हो सके
 सवाला। मैं आप को बहुत प्यार करती हूं। मेरी उम्मीद है कि आपकी चिप्टी
 भी मुझे प्यार करेगी। मैंने आपकी चिप्टी को बहुत प्यार से पढ़ा है।
 मैंने भी प्यार से पढ़ा है। मैंने भी प्यार से पढ़ा है। मैंने भी प्यार से पढ़ा है।
 मैंने भी प्यार से पढ़ा है। मैंने भी प्यार से पढ़ा है। मैंने भी प्यार से पढ़ा है।
 मैंने भी प्यार से पढ़ा है। मैंने भी प्यार से पढ़ा है। मैंने भी प्यार से पढ़ा है।
 मैंने भी प्यार से पढ़ा है। मैंने भी प्यार से पढ़ा है। मैंने भी प्यार से पढ़ा है।
 मैंने भी प्यार से पढ़ा है। मैंने भी प्यार से पढ़ा है। मैंने भी प्यार से पढ़ा है।

BY AIR MAIL

हवाई पत्र
 AEROGARME
 NO ENCLOSURES
 ALLOWED



Sri
 Arimal Singh
 37 Snell Hall
 University of Chicago
 Chicago 37, Illinois

Conn - 66

Third fold here

Sender's name and address :-

Mrs. A. Khess
 David Binod Lane
 Rawah, Bihar
 India.

To open cut here →

Sender's name and address —

C. K. Sikka
Ranchi (Bihar)

U. S. A.
St. Paul & Mary
Nirmal Singh



BY AIR MAIL
हवाई पत्र
AEROGARME
NO ENCLOSURES
ALLOWED

Chairman
11/19/57

Babu Nirmal Singh,

गपाप को हम सभी को और से प्यार योबुद्धय। हम लोग भगवान को दया से शकल है गपाप का भी यही माना करते हैं। वाव हम लोग गपाप का भेजा हुआ खत बहुत दिन पहले ही पाये। परन्तु यहां चैनपुर में Air mail billi pack नहीं होने के कारण खत नहीं भेज सक्ता। हम लोगों का स्कूल किसी भी हालत से चल रहा है। अभी तक यहां स्कूल को अपरिचित स्थिति वैसी ही है। नहीं सुधार सका है। अपरिचित स्थिति के कारण Staff मिलाने में बहुत दिक्कत होती है। अभी सब काम ठीक से तो चल रहा है केवल Science में तकल्लुफ है यानि Science शिक्षक अभी तक नहीं मिले है। अभी हाल ही इमर सब बर्षी हो रहा है। खेती बारी अच्छा ही है जोती पानी रत साल देर से आया। थोड़े दिन अछे शकलइतजा का प्रवेप था। बिहार का बदमा स्कूल रुक महोना इस बन्द था। अभी तक जहां तहां बिजली फैल ही रहा है। थोड़े दिन पहले उपरस रेली से बड़ा अरि और जोहन गपापया वे ठीक ही थे।

चैनपुर का रंग रूप बदरत दिन प्रसिद्धि बदलते जा रहा है। घर खरबा किनारे किनारे भर गया। मैं भी एक झोटा सा घर बनाया हूँ। परन्तु अपरिचित स्थिति के कारण घर का हालत ठीक नहीं है। बर्षी के दिनों में घर गलब जाता है। हम जानते है कि पन्द्रा

करने से हम लोग अपराध से रह सकते। परन्तु अपनी
हम लोगों का Pay स्कूल में करीब एक साल
तक का वक़्त है। इसी वजह से बहुत मुश्किल होता
है। जो भी टी हम सभों का सहायक भगवान है।
किसी तरह जीवन निभाना है।

मैं आप की चिन्ता पर भी बहुत
खुश हुआ कि आप जो मैंने कहा था मैंने
को बिनये खुशी है।

अभी तक आप को अभी को क्या
नहीं मिलता है। हम लोग नोबिस ही भू रहे है।
आज उस को भी नहीं मिल जाय तो वे को
मिलना पर किसी तरह जीवन जीतेगा।

आप अपने की बात लिखें वे आप
से है या नहीं मैं इस से अपराध भूता हूँ।

आप का

CR Keey

Dear Brother,

Gumla
29/10/51

आप को मेरा प्यार का परिशु
रहाप तथा पुमन सदा सबदा मिलता रहे। मेरा खेचिप
विधाता भी महान हुआ यों मेला पंगा है। मैं आप
का भी यही विचारता हूँ कि पिता कुशल होखे
होगा। मैं आप को आगे कथा जो लिख मेरे
मेरे पास तो अच्छे खबरे भी नहीं है। कुछ दिनों
के पहले मैं आप के लिपे रुक छोटी सी पत्र
मेजा चुका था। पर मैं सोचता हूँ कि वह पत्र
आप का हाथ नहीं लगा होगा कभी कि आप
अपना जगह बहल दिया। उस पत्र को मैं पुनः
पुराने पते पर मेजा चुका था। उस पत्र में
विशेष नया खनी का न्योता भेजा था। पर
नहीं मिलने के कारण आप को पता नहीं लगा
होगा। हमारे गाँव का नया खनी का न्योदार
अक्टूबर १४ को भगवा गधा रूब धूम धांध
के साथ मैं भी इस छोटी न्योदार में हाजिर
था। करीब हमारे घर में ३० मेहमानों का सजरा
था। पर जब आप को पाठ आता था तो दिल
में ठीक नहीं लगता था। लेकिन जोरों को हल
कर सब कोई शांति पा रहे थे। इस न्योदार में
पुढ़ा बना मजन का अगवाँ किया था करीब
एक घंटा तक मजन घर ही में हुआ। उसके
बाद हम अन्वति जवान और युवावी लोग, गिजधर
मजन करने को गधों वहाँ भी मजन अच्छा खा
लीगा है। हम खुश हो जाते थे। मोह आप के

बिह नया खानी का संदेश (बा इम
 है कब अमेरिका से लौटियेगा ताकि इस
 खाई में आपकी बातें शायद
 संदेश सड़ जायगा। गरीब जल्दी आगे
 की छुपा की निपेगा। देरी हो रही
 है। दादा जी रन दिना में घर वाले भी
 अच्छे हैं सब साथ ही न रोवे से पले
 रहा है। हिनकुवताग में इस समय घात
 करनी का मौका आ गया है पर
 उन वाले यहां मार आकाल होगा।
 क्योंकि बच्ची ठीक सी नहीं बच्ची
 छोड़े हम लोगों का तो अघा सेवा
 खराब हो गया। पर बिघात पर ह
 आशा रख कर जिवन बिताया पर ह
 है। बड़े दादा जी का कहना है कि उन
 साल एक कुंआ सुद्वें से खुदवाया है।
 इसके लिए उसका अजो आपस यह
 रहा कि इसका पूरा मा आप को उठाना
 पड़ेगा। आप कुंआ बनवाने के बिपे कमरा
 कम दूठे रूपे का जल्दी से पंगने का
 कोशिश कीजियेगा ताकि मा जल्दी शुरू
 होने सकेगा। भाई सा कहना है कि रूपे या सा
 पैसा ही नाम पर योजना काम के दिना में
 पंगे पूरा जग हीन होवे है। Johan Ming

BY AIR MAIL

हवाई पत्र
 AEROGRAMME
 NO ENCLOSURES
 ALLOWED



Mr. Nirmal Singh
 37 Senell Hall
 University of Chicago
 Chicago 37 Illinois
 U. S. A.

CORR - 66

Third fold here

Sender's name and address :-

Mr. Johan Ming
 Lutheran High School
 Gumblo

Second fold here

To open cut here →

Sender's name and address —

C.R. Easa
Fulbaran High School
Champur, P. Ranchi

37, Brail Road
U. S. A.
Chicago 37, Illinois
U. S. A.
Nirmal Singh
Nirmal Singh
Nirmal Singh



BY AIR MAIL
AEROGARME
NO ENCLOSURES
ALLOWED

चैनपुर
23-10-57.

Dear N. Ming,

आप को हम सभी को गौर से
आर यीगुं बाइय। हम लोग गगवान को ज्ञान से
कुशल है। आप का भी यही आशा करते हैं। मैं आप
के पास एक तहीना पहलें एक खत लिखा था वह
उसे आप पाये होंगे। यहां चैन डर की टाउन अपनी
सब हीन की हैं। हम सभी का स्कूल आरबी बरह
से चल रहा है। Same teacher को छोड़ सब
Staff पूरा है। हमारी खेती बारी बोर है। पानी
बहुत पहले की बड़ दिया है। बहुत सा खान
की खेती सुख गयी है। इस उम्र है कि 20%
खेती होगी। आपाज कल दो तीन दिन से केवल
आपारा में बावत है। पानी की आशा की जाती
है। एक ठिन्ना वा नहीं है। यहां चैन डर में
सिंतोप का के प्रचारकों की शिवा लाह हो
रहा है। शिवा लाह 21-10-57 से 27-10-57
तक रहेगा। शिवा देने के लिए शिवाप दे
पावे गए तब Marsala Page है। इन की

स्वागत अपनी तरह की गड़ी। स्वागत के लिए
नीचे फाटकर लम्बा गोली की तैयारी थी। अपनी
सब कुछ में ही लम्बा आस की चला रहा है।
स्वच्छ के कारण हम सभी का बैठने का
सामान्य की नहीं। इसके उस का उपदेश की
कुछ सदन / आप का अपना का सो क्या हुआ।
उम्मीद उम्मीद से उम्मीद पर लम्बा लम्बा है कि
आप अपनी ही आगे। वास्तु आप हम दोनों
के लिए आप का दो हाथ फाट की मेरा
दो की लम्बा में। आप की मागी हल की में
इसरी जगह विविध नाम में रही है।
वन्ना सब हीन है। मैं इस से
अन्त मूला है

Ceh

कन्या शाला
घोलिया
ता. २६-५०

महात्मन्यवार दादा जी
आप को हमें सभी की ओर से
जय वासु होवे। हम लोग परम आत्मा की अनुकाम्य से
मुरालि पुत्रक हैं। शुभ की असीम कृपा पत्र से आप का
भी यही पुराना जेगल चाहती हैं कि विदेश में रहते हुये
भी आप के उपर पिता की दान दया पड़ती हुई फिर
भारत में आकर हम सब ही परिवारों के साथ आप का
सम्बन्ध होने पाये। परमेश्वर विदेश में भी साथ होता रहे।
प्रिय दादा जी आप से मैं हाँपी जोड़ साफ चाहती हूँ।
सोचते बहुत दिन बीत जाने के परचात वह देश पत्र आप
की चरमा सीमा पर आपसी कर रहे हैं जो थारे दादा
जी क्या बताऊँ भारत में आज कल यहाँ का मौसम मज्जा
है रिमोभम रिमोभम पाना गिर रहा है। जहाँ कहीं बृह
धरे पाना ही पाना बुद्धि गालगों तथा दोन में लबालब
बृह गोचर होता है। यहाँ का मौसम जाने से सुकित
शुभित का रोभा बढ़ जाती है तथा ईश्वर की सृष्टि किया
हुआ सब उसकी महिमा करते हुये पुनर्पित हो उठता है।
तो हमें आज भी प्रकृति की अत्यन्त रोभा क्यों न बढ़ावे
आज देखने में आता है चारों ओर लहलहाता हुआ निर्मले
मन को अपना ओर सींच लेता है। वह कितना ईश्वर की
सृष्टि देन है आज यूँसी लोग अपने खेती के बीच कितना
आनन्द से अपना वैदिक कार्य कर रहे हैं उसी तरह दादा हम
सब बिद्यार्थी गरा। अपने लिये बिद्या की सोच में पड़कर
गैर परिश्रम करते हुये सारी मन-वन अगामर दिन रात
मास्त लगे रहते हैं। हम लोगों का स्कूल तो खूब जोरी
से जारी हुआ है। सर्वप्रथम सरासर पढ़ाई चल रही है।

चौधर गरा। अपने रात्र भर पढ़ाने का भारोरा भरा
है मुझे यही पढ़ने का बहुत विलचस्पी आता है।
इत साल पढ़ाई बहुत ही अच्छा है।
थारे दादा जी एक बात मुझे बहुत ही लोप लगता है कि
यहाँ का फीस बहुत अधिक है। लॉस्कूल का फीस जिन
माह ६।। है। यदि हर जति माह न दिया तो मॉथली टैर
लिखना असंभव है। मोह! मुझे पढ़ने का कोई आवा ही नहीं
है। तंभण है घर में बैठना पड़ेगा। जनवरी से स्कूल जाना
पड़ता है। भाई जी, माय का खबर लेना भूल जा रहे हैं उसे
देश की जलगाय कैसी है क्या खुश है। वर्तमान में विदेश
में क्या चल चल ले रही है। क्या भारत जैसा ही गहों खेतों
की भामार है! जहाँ तक सीचती हैं गहों जीका फाल आ
रहा होगा। श्री। दोन जी माय की क्या देश माने गह
खिचर है। यदि आप के गहों रहते भर गीई लकी या
गुर्दा माता से pen friend में कतना चाच्छा है।
मैंने लिये विदेश का हाल सुनने की बड़ी रुचि है। यदि कोई
मिज्जि की मेहनती से टूटने की कृपा कीजिये। जर्मनी की
दीदी का क्या खबर है। उसका पता मुझे मालूम नहीं है।
यदि मालूम होना पत्र द्वारा खबर देती। थारे दादा मैं
हिन्दी और विशेष English बहुत फाटित लगता है। फिस
तरह अधिक सीख सकूंगी। शायद आकादीनी का खबर तो
मालूम ही गया होगा। क्योंकि बुरी खबर है खबरल उक्त
या पर परलीक को सिधा गया। परिवार में भी बुरी
खबर है क्योंकि सब गीई पढ़ाई में असफल हुए। पर थारे
में थाफिर उसी फीस में बैठता है। जो चीना या ती हो गया
पर माय क्या होना अधिक क्या सिधे। मां गाप आनकल
दीदी के प्रति प्रेम से बहुत कृतार्थ है।

न मां नो जिन्दगी नो छोड़ दी दिये हैं। जिससे
 जिन्दगी और भी शोचनीय हो रही है। फाम करने
 में भी मन नहीं लगता है। मनके प्रकार के फकी से
 सार बीमों के मारे दण जा रहा है। मैं उन्हें कुछ भी
 चिन्ता वैन में समर्थ नहीं देखे हूँ मुझमें शक्ति
 नहीं रह गयी है। सोरबने में भी उगति नहीं हो
 रही है। इस तरह कर्मों-कर्मों में भी निराशा सा हो
 जाती हूँ पर हीना तो उमित नहीं है। क्योंकि मनुष्य
 से क्या नहीं सकता है। ईश्वर ने सब कुछ दान में
 दिया है। इस लिये माप-ज्यादा किशुं मन को जिये
 जो हीना था सो हो गया। एक बुरा को बात है।
 कि स इन साल ईचकला में बड़ी-बड़ी मारी
 जुबली मनाई गई। पारो और से लीमों का नीग
 पाना धारा के समान आये थे। फिर पुरीहित लीग
 भी काफ़ी आ गये थे। सिमिनारी वाले भी आये थे
 बहुत सच्ची तरह से आस होता था। और कम
 से कम एक सप्ताह था। आस यंत्र होने पर दल के दल
 आदमी गीब गाया करते थे। इतनी मानन्द आस हुई
 कि मानो स्वर्ग ही है। इस प्रकार सोना जुबली
 गरी धूमधाम से मनाया गया। इस प्रकार प्रब
 में मयना सात घंटे करवा हूँ। और एक बार सब
 परिवारों को और से बीसु सहाय होना!!
 भूलों के प्रतिभमा की याचना। आपकी बीबी महन
 सिवती एकका

BY AIR MAIL

हवाई पत्र
AEROGRAMME
NO ENCLOSURES
ALLOWED



Very Urgent.

Shri Nirmal Singh

37 Small Hall,
U of Chicago,
Chicago 37
Illinois 50

~~Lutheran Seminary~~
St Paul's Minnesota
U. S. A

CORR - 68

Second fold here

Sender's name and address:-

Kumari Sewati Lakka
Bandolohy Ichhele
Dist Raigach (M. P.)



To open cut here

To open cut here

W. New Medical College
Patna 4.

Dear Brother

I am extremely sorry for ^{the} long
silence of ~~my~~ mine. After returning
from home in my puja vacation
I thought of writing to you but could
not. I ~~am~~ ^{am} ~~apologise~~ ^{apologise} for the same.
I was not your negligence but it was mine
that I did not reply you for two letters
of yours. This time also I have delayed
in giving you the reply so please excuse
me. On the 15th and the 16th of that
last month we had our 2nd terminal
examination and now we are preparing
for the final examination which is
going to be held in the first or
the second week of April 1958. Though
the session of our class is going to be finished
very soon yet there are a lot of chapters
are untouched ~~in~~ ⁱⁿ ~~the~~ ^{the} ~~class~~ ^{class}
are hurrying with the course so it
has become very difficult to keep pace
with the class and our studies.

Today I received a letter from
Elsie in which she has mentioned that
they have not received any news from
didi. I too have received none. In the
month of Oct. Nov. I had a letter from
didi and after that I send her the

certificates. Now I am at a loss to
know whether she has received them
or not. I hope that she has received
them. In the month of Oct I received
a letter from Mr. Roger E. Swenson in which
he had asked me ~~about~~ ^{about} about
my financial and condition and my
requirement. I answered him best
I did not write him about the require-
ment. You know that I never talk
any body for money directly. I hope that
this time ~~it~~ ^{it} will get the scholarship
but I don't know when and how
much.

About the crops it is very pitiful condition
there. All over India the crop of this
year has failed. Nearly all the
crop of paddy dried up ~~in~~ ⁱⁿ
when it was about to ~~go~~ ^{go} ~~out~~ ^{out}
coming out the fields. I can't say
what is the condition of Rabbi.

One thing more after giving the
letter to Mr. Roger E. Swenson I am
always waiting for his letter but
I don't know whether he has
received my letter or not. If you know
his address please enquire ~~him~~ ^{him}
whether he has received my letter
or not. ^{Brother} ~~Brother~~ ^{Brother} ~~Brother~~ ^{Brother} always asks me at

about you.

These days I am doing well
and hope the same to you.
Now I am closing my letter
with love.

yours affly

Diamond Khus

- 1/ Vacation
- 2/ hard work
- 3/

BY AIR MAIL

हवाई पत्र
AEROGARAME
NO ENCLOSURES
ALLOWED



Mr. Nirmal Misra
37 Sull Hall
University of Chicago
Chicago 37, Ill
U.S.A.

Conn - 66

50

Sender's name and address:-

Diamond Khus
14, New Medical College Hostel
Patna
(Bihar) India

Lutheran High School Gumla
3 -12-1957.

Dear brother in Christ,

I sent you a letter about a fortnight ago and I hope you might be in receipt of the same. In this letter I am glad to inform you that our Lutheran High School is recognised fully up to matric class and from this year I am having the Test Examination. This is a great love of God bestowed to this institution. I could see many wonderous and remarkable help from Him. Really God help miraculously. I thank you much for your devoted prayer for the school. A day will be fixed the whole Ilaka (Gumla) as thanks giving day.

Another thing I would like to tell you that ~~my~~ the date of my marriage ceremony is fixed on the 20th of December 1957 in the Christ Church at Gumla. The marriage feast will take place at home on the 27 & 29 Dec. ~~BB~~rat party is to reach Banpur on the 26 evening. I hereby send you my invitation to present yourself in the same. Practically it ~~will be~~ is difficult for you to attend the same. But as you know how delicate this matter is ~~if~~ I request you to kindly remember me to get this done peacefully by the grace of God.

This year crop failed in whole Bihar. There is possibility of starvation in the country. Government is trying to make arrangement to face the famine. Failure of crop will affect the smooth working of the Church activities and the ~~of~~ running of the school. This year building construction of our has been taken. I am afraid how this will be completed. I have no alternative but to pray.

Regarding our church affairs there seems no early settlement. The commission set up has not yet fixed the date to come so far as I have come to know by this time. Almost all dispute in the court had finished: but again a police case has been filed. The Church Council resolved upto hold some classes of the Gossner High in the Seminary building and decided to shift the Seminary in Raja Bunglo. The North Zone Church Council objected it and passed resolution against it. In spite of this the Church Council entered into the Bunglo with all the equipments of the Seminary. The North Council objected

and did not allow to enter. Police was called. The P.S. ordered him to enter the compound and kept the constabulary guard. Yet Rev. Tige and Mr. P. S. were inspired some youth to take the things into the compound at night. There was a clash between the youth and the police and some 22 young men were arrested and put into jail. Among the youth there was one in not named also. In police case has begun. The North Zone People want that there should be a joint meeting and the dispute be solved amicably. But the Church Council feels it lowering down of its position and the North Council demands equal status. I have given a little description of the present situation. This will disturb you but you should devote yourself in prayer and continue your study as you have determined. May God help.

Regarding our Youth Organisation I am Not satisfied with its working though I myself am the leader. Sree J.M. Lakra resigned from the post and Sree Anem Dang, Tkarma, P.O. Lassia, Dist Ranchi has been elected in his place by the Youth Board. Now the president is at Chainpur and ~~I~~ the secretary at Gumla, asst. secretary at Tkarma and the treasurer at Ranchi so the work has become more difficult. Next new election will take place and hope this sort of thing will not be done again. The next general conference will be held at Ranchi. Even then I request you to send directions to revive the work.

These days I am keeping well with my students and staff and with my brothers and sisters at Gumla. Rev. ~~Dr~~ C.B. Minj and family is well. One thing I was forgetting to tell you that Sree Silas Kujur is engaged with Miss Lili Kindo of Raghunathpur. Perhaps Mr. Kujur might have told you about this.

I am glad this year we are nering X'mas Day. This the Grace of God that are able to see this great day. May God grant us new gifts in this X'mas and The New Years Day.

This my first letter to you typed by me. I am practising to type so you will find many mistakes. Next time I shall try to speed and make it neat and clean.

May God keep you well and help you in all your endeavour. May He keep you in good health and bless you with all His good gifts in this X'mas and New Year Day.

With my hearty good wishes,
Your brother in Christ Jesus,

P.D.
sd/ P.D. Lakra.

BY AIR MAIL

हवाई पत्र

AEROGRAMME

NO ENCLOSURES
ALLOWED



To, Mr. N. Minj,

37 Snell Hall
University of Chicago
Chicago 37

CORN - 66

50

1LL.

Sender's name and address:

P.D. Lakra
Gurgaon
Ranchi
Bihar India